भोज की नूतन कथासंक्षेपण–शैली (चम्पूरामायण के सन्दर्भ में)

डॉ. रामहेत गौतम

भोज ने रामायण के कथानक तथा पात्रों को मूल गुण–दोषों सहित प्रस्तुत किया है। रससिद्ध कृति रामायण के कथानक में परिवर्तन न कर काव्यशास्त्रीय आदर्श धर्म का यथोचित पालन करते हुए वाल्मीकि रामायण के आधिकारिक तथा प्रासंगिक कथानक को पताका–प्रकरी सहित बड़ी कुशलता से संक्षिप्त कर चम्पूरामायण में प्रस्तुत कर दिया है। वाल्मीकि रामायण के अनिवार्य अंग संवाद, आख्यानोपाख्यान, स्थान, ऋतुवर्णन आदि में से ऐसा कुछ भी नहीं बचा जो इसमें न आया हो। भोज ने चम्पूरामायण में वाल्मीकि के पुरुषोत्तम राम को पौराणिक प्रभाव से विष्णु अवतार के रूप में प्रस्तुत करते हुए वाल्मीकि रामायण के विशाल कथानक को नूतन संक्षेपण शैली से संक्षेप में यथावत् उपस्थित करते हुए लोकोपकार के लिए चम्पूरामायण की रचना की है। चम्पूशैली में अभिव्यक्ति की अभिरामता से यह कृति अभिनव बन गयी। जो भोज की कीर्ति एवं विद्वानों के आकर्षण (प्रीति) का केन्द्र बन गयी।